

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	कर्ण और दुर्योधन भी मारे गए
शीर्षक	आखिरी बाज़ी
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	आठ
कौशल	सृजनात्मक लेखन एवं वाचन कौशल
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ ,कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी शुद्ध एवं सरल भाषा द्वारा वाचन और लेखन कौशल विकसित कर सकेंगे।
- * विद्यार्थी बिना असहज हुए कक्षा के समक्ष कविता गायन द्वारा अभिव्यक्ति कौशल विकसित कर सकेंगे।
- *विद्यार्थी कविता लेखन द्वारा स्वयं में काव्यात्मकता विकसित कर सकेंगे ।

2.अध्यापिका गतिविधि :

- * अध्यापिका विद्यार्थियों को आठ-आठ के समूह में विभक्त होने का निर्देश देंगी ।
- * अध्यापिका विद्यार्थियों को 'कर्ण और दुर्योधन भी मारे गए' पाठ की कहानी को पढ़ने के बाद कहानी पर पुनर्विचार करने का निर्देश देंगी ।
- *कहानी में जैसे दुर्योधन ने स्वयं को सही साबित करने के लिए अपने आखिरी साँस तक संघर्ष किया । स्वयं को सफल सिद्ध करने के भाव से जीवन में लक्ष्य पाने हेतु सकारात्मक संघर्ष की प्रेरणा मिलती है । इसी प्रेरणा को आधार बना 8-10 पंक्तियों की कविता लिखने और कक्षा में प्रस्तुत करने का निर्देश देंगी।
- *अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।
- *अध्यापिका अंत में उनकी इस लिखित और मौखिक प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *अध्यापिका द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार विद्यार्थी आठ-आठ का समूह बनाकर बैठेंगे ।
- *अध्यापिका से प्राप्त निर्देशानुसार लक्ष्य पाने हेतु सकारात्मक संघर्ष को दर्शाने वाली 8-10 पंक्तियों की कविता लिखेंगे । तत्पश्चात् वे अपनी कविता को कक्षा में सुनाएंगे ।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।
- *अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपनी कविता अध्यापिका को देंगे।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: कर्ण और दुर्योधन भी मारे गए
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : आखिरी बाज़ी
अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. दुर्योधन ने मुसीबत के समय में कर्ण की सहायता की | इसके फलस्वरूप कर्ण आजीवन उसका ऋणी रहा | अपनी कृतज्ञता को निबाहते हुए ग़लत होने पर भी वह दुर्योधन का साथ देता रहा | आपके अनुसार यह सच्ची मित्रता का उदाहरण है या कलंकित मित्रता | यदि आप कर्ण के स्थान पर होते तो कैसा व्यवहार करते ? अपने विचार लिखिए |

प्रश्न.2. सच्चे मित्र के गुण नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए |
